**विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय**

**कक्षा – षष्ठ** **दिनांक -08 – 09 - 2021**

**विषय -हिन्दी** **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

**एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित**

**सुप्रभात बच्चों आज शब्द विचार के बारे में अध्ययन करेंगे।**

**उत्पत्ति के आधार पर शब्द के 5 भेद होते हैं।**

- **तत्सम शब्द**
- **तद्भव शब्द**
- **देशज शब्द**
- **विदेशी शब्द**
- **संकर शब्द**

**तत्सम शब्द की परिभाषा**

**तत्सम शब्द - तत्सम 'तत्' एवं 'सम' के योग से बना हुआ शब्द है जिसका अर्थ उसके समान होता है। मूल भाषा संस्कृत के वे शब्द जो हिंदी भाषा में ज्यों के त्यों प्रयुक्त होते हैं उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं। जैसे: आम्र, कर्ण, क्षेत्र, अर्पण, आश्चर्य, उत्साह, आमलक, एकत्र, अंक, गर्मी, ग्राम, गायक, ग्रामीण, घृणा, चर्म, चक्र इत्यादि।**

**तद्भव शब्द की परिभाषा**

**तद्भव शब्द - मूल भाषा संस्कृत के वे शब्द जिनका हिंदी में रूप परिवर्तन हो गया है उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं। जैसे: आग, अनाज, आम, आलस, कोयल, कपूर, गाहक, गोबर, तुरंत, ताम्बा, छाता, गर्दन, चाँद इत्यादि।**

**देशज शब्द की परिभाषा**

**देशज शब्द - देशज शब्द देश और 'ज' (जन्म लेने वाला) के योग से बना है जिसका शाब्दिक अर्थ होता है- देश में जन्म लेने वाला। हिंदी में प्रचलित आँचलिक भाषाओं के वे शब्द जो क्षेत्रीय प्रभाव के कारण हिंदी में प्रयुक्त होते हैं उन्हें देशज शब्द कहते हैं।**

**जैसे: खुरपा, गड़बड़, हड़बड़ाहट, ऊटपटाँग, ऊधम, कंजड़, खटपट, खचाखच, खर्राटा, खिड़की, गाड़ी, चम्मच, अनल, नीर, पंडित, माला, ताला, चिकना इत्यादि।**

**विदेशी शब्द की परिभाषा**

**विदेशी शब्द - मूल भाषा संस्कृत एवं हिंदी के अतिरिक्त अन्य देशों की भाषाओं के वे शब्द जो हिंदी में प्रयुक्त होते हैं उन्हें विदेशी शब्द कहते हैं। हिंदी भाषा में अंग्रेजी, अरबी, फ़ारसी, चीनी, तिब्बती, जापानी, पुर्तगाली, तुर्की, रूसी, यूनानी इत्यादि भाषाओं के शब्द प्रयुक्त किए जाते हैं। जैसे:**

**अरबी भाषा के शब्द - अजीब, हिसाब, अदालत, हलवाई, आज़ाद, सुबह, आदमी, शादी, शतरंज, वकील, इज़्ज़त, इलाज़, इंतज़ार,**